

प्रेषक,

मीनाक्षी जोशी
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 17 मार्च, 2016

विषय : वित्तीय वर्ष 2015-16 में आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत केन्द्र पोषित योजना (90 प्रतिशत केन्द्रपोषित) इन्टेंसिफिकेशन ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट (Intensification of Forest Management) हेतु पूंजीगत पक्ष में धनावंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के दो पत्र संख्या-3-8/2007/FPD(Pt.) दिनांक 22.07.2015, प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून का पत्र संख्या 1304/3-6(IFMS) दिनांक 08.01.2016 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-27 के अन्तर्गत केन्द्र पोषित योजना इन्टेंसिफिकेशन ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट (Intensification of Forest Management) हेतु पूंजीगत पक्ष में निम्नलिखित कार्य हेतु ₹12.52 लाख (₹ बारह लाख बावन हजार मात्र) की धनराशि, जिसमें केन्द्रांश ₹11.27 लाख तथा राज्यांश ₹1.25 लाख है, व्यय हेतु निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि लाख ₹ में)

क्र. सं.	कार्य का नाम	मूल लागत	टी0ए0सी0 के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण लागत	आवंटित धनराशि
1	देहरादून वन प्रभाग के अन्तर्गत लच्छीवाला में टाईप-III आवासीय भवन के निर्माण का आगणन	13.50	12.52 (₹ 0.18 लाख उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अनुसार)	12.52

- उक्त धनराशि का व्यय भारत सरकार के दो पत्र संख्या-3-8/2007/FPD(Pt.) दि० 22.07.2015 के द्वारा अनुमोदित वार्षिक कार्ययोजना के अनुसार वर्णित कार्यमदों में ही पत्र में उल्लिखित दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्रशासनिक, वित्तीय एवं प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त की जायेगी।
- धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश सं०-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01.04.15 में दिये गये दिशा-निर्देशों एवं प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जाय।
- किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार, महालेखाकार एवं शासन को 31.03.2016 तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

.....2

6. कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि सम्बन्धित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत न हो।
7. कार्य पर मदवार उत्तना ही व्यय किया जाये जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
8. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
9. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाये तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाये।
10. विस्तृत आगणन के प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
12. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219 (2006) दि० 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने को कष्ट करें।

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के स्वीकृत आय-व्ययक के सापेक्ष लेखाशीर्षक 4406-वानिकी तथा वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय, 101-वन संरक्षण विकास एवं संपोषण, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें 0101-राष्ट्रीय वन रोपण कार्यक्रम (ग्रीन इण्डिया मिशन एवं वन प्रबन्धन) के मानक मद 24-वृहद् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा। कम्प्यूटरीकृत अलोटमैन्ट आई०डी०-S1603270288 दिनांक 17 मार्च 2016 संलग्न है।

3- ये आदेश वित्त विभाग के शासनादेश सं०-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01.04.2015 के अनुपालन में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोक्त

भवदीय

(मीनाक्षी जोशी)
अपर सचिव

संख्या-806/X-2-2016-12(15)/2016 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सहायक इन्सपेक्टर जनरल-1, वन (एफबीडी)वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को उनके उपरोक्त सन्दर्भित पत्र दिनांक 22.07.2015 के क्रम सूचनार्थ।
2. महालेखाकार (लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
3. प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून।
6. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ/सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून।
8. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

(मीनाक्षी जोशी)
अपर सचिव

351(A)

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Forest (S016)

आवंटन पत्र संख्या - 806/X-2-2016-12(15)2016

अनुदान संख्या - 027

अलोटमेंट आई डी - S1603270288

आवंटन पत्र दिनांक - 17-Mar-2016

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

1: लेखा शीर्षक 4406 - वानिकी और वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय

00 - -

101 - वन संरक्षण, विकास तथा संपोषण

01 - राष्ट्रीय वनरोपण कार्यक्रम (ग्रीन इण्डिया मिशन एवं व

01 - केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
24 - वृहत् निर्माण कार्य	3965000	1252000	5217000
42 - अन्य व्यय	109899000	0	109899000
	113864000	1252000	115116000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

1252000

M. J. D. M.

